जागरुकता के नाम पर एनजीओ के लोगों ने फैलाई अराजकता

यातायात पुलिस की शह पर राहगीरों को दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ा, सर्किट हाउस चौराहे में घंटे भर तक चला हंगामा

नवभारत न्यूज

सतना 4 मई. सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों का पालन और जिम्मेदार ड्राइविंग से संबंधित जागरुकता अभियान चलाने का दावा करने वाले एक गैर सरकारी संगठन के लोगों ने स्थानीय सर्किट हाउस चौराहे पर जमकर अराजकता फैलाई.

यातायात पुलिस की शह पर एनजीओ के दर्जन भर से अधिक लोगों ने वहां से गुजर रहे राहगीरों को दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ा और जबरदस्ती उनका चालान कटवाया. यातायात पुलिस कर्मियों के बजाए एनजीओ के लोगों को अनाधिकृत तौर पर दखल देता देख कुछ आमजन न सिर्फ आक्रोशित हो गए बल्कि उनके द्वारा कड़ी आपत्ति जताई गई.

सोमवार की शाम लगभग 5 बजे यातायात थाने के उनि राम देवी राय के नेतृत्व में तकरीबन आधा दर्जन की संख्या में यातायात अमला शहर के सर्किट हाउस चौक पर पहुंच गया. जहां पर कथित तौर पर जीतांत फाउंडेशन नामक गैर सरकारी संगठन के दर्जन भर से अधिक लोग पहले से ही मौजद थे. स्वयं को उक्त एनजीओ के निदेशक बताने वाले सुजीत तिवारी और प्रशांत मिश्रा के साथ कुछ युवक और युवतियां भी उपस्थित थे. एनजीओ के युवक और युवतियों ने नारंगी रंग की रेडियम युक्त जैकेट भी पहनी हुई थी. वहीं कुछ युवतियों ने अपने हाथ में थाली ली गई थी, जिसमें गुलाल रखा हुआ था. यहां तक तो सब ठीक था, लेकिन कुछ देर तक चले राय-मशविरा के बाद एनजीओ के लोग अचानक सक्रिय हो गए. और सर्किट हाउस चौक के चारों ओर फैल गए. जिसके बाद एनजीओ के लोगों ने वहां से होकर गुजरने वाले सभी दोपहिया वाहन चालकों को जबरदस्ती रोकना शुरु कर दिया. शुरुआती दौर में कुछ शरीफ किस्म के लोग रोके जाने पर रुक भी गए. पहले तो राहगीरों को यातायात जागरुकता का हवाला देकर रोका गया. लेकिन उनके रुकते ही उन्हें जबरदस्ती पकड़-पकड़ कर चौराहे के एक किनारे खड़े यातायात अमले के पास ले जाया जाने लगा. जहां पर पहले से तैयार खड़े यातायात अमले ने सभी का चालान काटना शुरु कर दिया. इस दौरान दो पहिया वाहनों पर सवार होकर कई बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे भी वहां से गुजरे. लेकिन एनजीओ के लोगों ने किसी के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई और सभी को जबरदस्ती रोकते हुए दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ा.

इतना ही नहीं बल्कि कुछ लोगों के वाहन भी जबरदस्ती खींचने का प्रयास किया गया. वहीं यातायात अमला भी बिना किसी सुनवाई के लोगों का चालान काटने में व्यस्त बना रहा. कथित एनजीओ और यातायात पुलिस की मिली भगत से जारी इस चालान के खेल की वजह से सर्किट हाउस चौक क्षेत्र में घंटे भर से अधिक समय तक हंगामा मचा रहा.

महिलाओं ने जताई कड़ी आपत्ति

कथित एनजीओ के लोगों द्वारा अनाधिकृत तौर पर लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ना और फिर जबरदस्ती उनका चालान कटवाना, देख वहां से गुजर रहीं कुछ महिला राहगीर भड़क गईं. महिलाओं ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूछा कि एनजीओ को किसने आमजन के साथ जबरदस्ती करने का अधिकारी दे दिया. इतना नहीं बल्कि कुछ महिलाओं ने तो आक्रोशित होते हुए समूची कार्रवाई को ही यातायात अमले और एनजीओ की मिली भगत से अवैध वसूली करार दे दिया. महिलाओं का कहना था कि जब स्मार्ट सिटी सतना में इंटीग्रेटेड कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर के जरिए यातायात की निगरानी और चालान की व्यवस्था सुचारू है तो फिर उसे छोड़कर यातायात अमले द्वारा कथित एनजीओ के गुर्गों के जरिए लोगों को प्रताड़ित करने की खुली छूट कैसे दे दी गई. जिसके चलते सर्किट हाउस चौक पर न सिर्फ काफी देर तक हंगामा होता रहा बल्कि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती नजर आई.

किसकी अनुमति से मिला अधिकार

कथित तौर पर जीतांत फाउंडेशन द्वारा स्ट्रीट स्मार्ट इंडिया नामक यातायात जागरुकता अभियान चलाने का दावा किया जा रहा है. जिसक उद्देश्य प्रमुख चौराहों, स्कूल क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के साथ सीधा संवाद कर हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित करना बताया गया. लेकिन आखिरकार किसी अनुमति से उन्होंने पुलिस काम अपने हाथों में ले लिया. आखिरकार किसी अनुमति से एनजीओ के लोगों को राहगीरों को दौड़ा दौड़ा कर पकड़ने, उन्हें प्रताड़ित करने और सार्वजनिक स्थान पर अराजकता फैलाने का अधिकार मिला. तो क्या यह माना जाए कि यातायात जागरुकता के नाम पर यातायात थाने के अमले द्वारा उक्त एनजीओ का उपयोग खुलेआम वसूली करने के लिए किया गया.

शहर में बंगाल के खेला और तमिलनाडु में विजय की चर्चा से दो-चार होते रहे लोग

नवभारत न्यूज

सतना, 4 मई. शहर की गलियों में छनती चाय की खुशबू के साथ सोमवार को सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि बदलाव की एक नई इबारत घुली हुई थी। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनावी नतीजों ने शहर के नागरिकों के लिए किसी सियासी महाकुंभ जैसा माहौल पैदा कर दिया।

हृदय स्थल से लेकर तंग गलियों तक, हर जुबान पर बस एक ही सवाल था ,किसका पल?ा भारी रहा? शहर के चाय ठेलों पर सबसे ज्यादा गहमागहमी पश्चिम बंगाल के नतीजों को लेकर दिखी। वरिष्ठ नागरिकों और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह चर्चा आम रही कि बंगाल में इस बार वास्तव में खेला हो गया है। 15 साल पुराना ममता बनर्जी का किला ढहना और भाजपा का 200 सीटों के करीब पहुंचना कोई मामूली बात नहीं है। यह इशारा है कि राष्ट्रीय राजनीति की हवा अब बदल चुकी है इस बार सतना के युवाओं की दिलचस्पी सिर्फ हिंदी पट्टी तक सीमित नहीं रही। मोबाइल स्क्रीन पर लाइव अपडेट्स देखते युवाओं के बीच तमिलनाडु के नतीजों ने सबसे ज्यादा सनसनी फैलाई। सुपरस्टार विजय की पार्टी (ञ्ञ्ञ्य) का डीएमके और एआईएडीएमके जैसे दिग्गजों को पीछे छो?ना युवाओं के बीच सबसे अधिक चर्चा का विषय रही।उनका कहना था कि तमिलनाडु में जो हुआ वह कमाल है! यह नए भारत की पसंद है। युवा अब पुरानी क्षेत्रीय राजनीति और वंशवाद से हटकर नए चेहरों और विकल्पों को मौका देना चाहते हैं। शाम ढलते-ढलते सतना की गलियों में बहस और तेज हो गई। भले ही ये चुनाव प्रदेश से हजारों किलोमीटर दूर हो रहे थे, लेकिन सतना के नागरिकों की सजगता ने यह साफ कर दिया कि यहाँ का आम आदमी अब देश के हर कोने की राजनीति पर पैनी नजर रखता है। शहर के लिए यह दिन सिर्फ नतीजों का नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उत्सव की चर्चा दिन भर होती रही.

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय का फैसला

नवभारत न्यूज

सतना, 4 मई. प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नागौद उमेश कुमार शर्मा के न्यायालय द्वारा दुष्कर्म के आरोपी रामविश्वास चौधरी उम्र-61 वर्ष निवासी डडिया सिंहपुर को 20 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 25 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया ।

इस मामले में राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक भीष्मप्रताप सिंह द्वारा अभियोजन का संचालन किया गया । अभियोजन से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिसंबर 2024 को फरियादी बुआ द्वारा परिजनों के साथ थाना सिंहपुर में उपस्थित होकर शिकायत की गई थी।जिसके अनुसार बालिका को गांव में खोजा गया लेकिन वह नहीं मिली ।बाद में जब भाई के घर आई तब घर पर बालिका थी। जब डांटकर पूछा तब बालिका बताई कि वह बब्बा रामविश्वास चौधरी के घर टी0वी0 देख रही थी और बब्बा रामविश्वास चौधरी बाहर से दरवाजा बंद कर लिए और उसके साथ गलत काम करने लगे। साथ ही बताया कि उसकी भतीजी दिमाग से थोडी कमजोर है और इसी बात का फायदा उठाकर अभियुक्त ने उसकी भतीजी के साथ गलत काम किया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामला न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुआ। अभियोजन के तर्को से सहमत होते हुए विचारण न्यायालय द्वारा अभियुक्त के विरूद्ध उक्त दंडादेश पारित किया गया।

उचेहरा व रामपुर में आंधी-बारिश के साथ गिरे ओले

▸ नादान में तेज वर्षा के साथ ओलावृष्टि तो मैहर में भी हुई बारिश

नवभारत न्यूज

सतना, 4 मई. जिले के उचेहरा क्षेत्र में सोमवार शाम अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और बेर के आकार के ओले गिरे।करीब पांच मिनट तक हुई ओलावृष्टि ने करही कला, पथरहटा और आसपास के गांवों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे गर्मी से राहत मिली, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई।

हालांकि ओलों की तीव्रता कम समय के लिए रही, फिर भी जमीन पर सफेद परत जैसी स्थिति बन गई। इस अचानक हुए मौसम परिवर्तन से आम जनजीवन पर ज्यादा असर नहीं पड़ा, लेकिन किसानों के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। विशेष रूप से सब्जी और आम की फसलों को नुकसान

पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि खरीदी केंद्रों के बाहर ट्रैक्टर-ट्रॉली में उपज लेकर खड़े किसानों के सामने बेमौसम बारिश से अपनी फसल बचाने की चुनौती खड़ी हो गई । सोमवार को अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री दर्ज किया गया था।

देहात क्षेत्र में ओलों के साथ तेज बारिश

मैहर। जिले के देहात नादन क्षेत्र में अचानक बदले मौसम ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। क्षेत्र में जोरदार बारिश के साथ ओलावृष्टि (बर्फबारी) लगभग 100-100 ग्राम हुई, दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ काले बादल छा गए।इसके बाद अचानक बारिश शुरू हो गई और कुछ ही देर में ब?-ब? ओले गिरने लगे।करीब एक घंटे तक चली इस बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों में ख?ी फसलों को नुकसान पहुंचाया है।